# वैदिक साहित्य

| वेद | विषय | पुरोहित | ब्राह्मण ग्रंथ<br>**Prose + कर्म योग** | अरण्यक<br>**(Jugle Book)**<br>सेतु, दर्शन + कर्म | उपनिषद ( 108 )<br>वेदान्त ( ज्ञान मार्ग ) | उपवेद<br>ये वैदिक साहित्य के भाग नहीं है। |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **ऋग्वेद**<br>तीन पाठ<br>1. साकल 1017<br>2. बाल खिल्य 11<br>3. वास्कल 56(0)<br>→ 10 मण्डल,<br>→ 1028 सूक्त,<br>→ 2 से 7 पुराने | देवताओं की स्तुति संबंधी स्त्रोत + युद्ध विवरण | **होत्रा**<br>मन्त्र उच्चारण | **1. ऐतरेय**<br>शुन: शेष कथा<br>अथाह सागर<br>राजसूय, सोमयज्ञ<br>→ पुत्री समस्त दु:खों का कारण<br>**2. कौशतिकी** | 1. ऐतरेय<br>2. कौशतिकी | 1. ऐतरेय<br>2. कौशतिकी<br>*By*<br>*AJAY DWIVEDI SIR* | आर्युवेद |
| **सामवेद**<br>तीन शाखायें<br>1. कौथुम<br>2. सणायनीय<br>3. जैमिनीय<br>→ 1549 मंत्र<br>→ 75 वास्तविक<br>→ शेष ऋग्वेद के | गायन<br>सप्त स्वरों का उल्लेख | **उदगात्ता** | 1. ताण्डय/महाब्राह्मण/ अद्भूत ब्राह्मण/पंचविश<br>2. जैमिनीय ब्राह्मण | जैमिनीय और छांदोग्य | **1. छांदोग्य**<br>सबसे प्राचीन,<br>कृष्ण,<br>तीन आश्रम,<br>उद्दलाक आरुणि और श्वेतकेतु के बीच संवाद<br>(आत्मा/परमात्मा)<br>**2. जैमिनीय** | गन्धर्ववेद |
| **युर्जवेद 40 अध्याय**<br>1990 मंत्र (गद्य+पद्य)<br>दो भाग<br>***1. शुक्ल यर्जुवेद/***<br>वास्तविक वेद/<br>वाज सनेयी संहिता<br>काण्व माध्यदिन<br>***2. कृष्ण यर्जुवेद ( गद्य )***<br>चार शाखायें<br>1. काठक<br>2. कपिष्ठल<br>3. मैत्रेयी<br>→ स्त्री=पांसा+सुरा<br>4. तैतरीय | कर्मकाण्ड<br>यज्ञों से संबंधित अनुष्ठान विधियों का उल्लेख<br>*By*<br>*AJAY DWIVEDI SIR* | अध्वर्यु<br>(कर्म काण्ड सम्पन्न करवाना) | **1. शतपथ ब्राह्मण**<br>सबसे प्राचीन सबसे बड़ा<br>→ जल प्लावन<br>→ पुर्नजन्म<br>→ रामकथा<br>→ पुरुरवा-उर्वशी<br>→ अश्विनी कुमार<br>च्यवन ऋषि<br>→ अर्धागिनी<br>→ जुते बैल 6, 8, 12<br>**2. तैत्तिरीय ब्राह्मण**<br>→ उत्तर वैदिक व्यवसाय | 1. वृहदारण्यक<br>2. तैत्तिरीय<br>3. शतपथ | 1. **वृहदारण्यक**<br>→ याज्ञवल्क्य-गार्गी संवाद<br>**2. तैत्तिरीय उपनिषद**<br>→ अधिक अन्न उपजाओ<br>**3. कठोउपनिषद**<br>→ यम नचिकेता संवाद<br>→ आत्मा को पुरुष कहा गया<br>**4. ईशोपनिषद**<br>**5. श्वेताश्वर उपनिषद** | धर्नुवेद |

| वेद | विषय | पुरोहित | ब्राह्मण ग्रंथ<br>**Prose + कर्म योग** | अरण्यक<br>**(Jugle Book)**<br>सेतु, दर्शन + कर्म | उपनिषद ( 108 )<br>वेदान्त ( ज्ञान मार्ग ) | उपवेद<br>ये वैदिक साहित्य<br>के भाग नहीं है। |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **अर्थवेद/ब्रह्मवेद/**<br><br>**श्रेष्ठवेद/लोकप्रिय वेद/अर्थव अंगिरस वेद**<br>दो शाखायें<br>1. शौनक<br>2. पिप्लाद<br>→ 20 अध्याय<br>→ 721 सूक्त<br>→ 6000 मंत्र | जादू-टोना वशीकरण,<br><br>औषाधियों का वर्णन<br>→ सभा और समिति प्रजापति की पुत्रियां<br>→ मगध और अंग सुदूरवर्ती प्रदेश | **ब्रह्मा**<br>निरक्षण करना | **गोपथ**<br><br>*By*<br>*AJAY DWIVEDI SIR* | 0 नहीं | 1. मुण्डकोपनिषद<br>→ सत्यमेव जयते<br>→ यज्ञ टूटी-फूटी नाव<br>2. प्रश्नोपनिषद<br>3. माण्डूक्योपनिषद<br>→ सबसे छोटा | शिल्पवेद |
| | | | | | | |